

## नेत्रहीन बच्चों को ब्रेल लिपि में बताए, ऊर्जा संरक्षण के गुर

### 200 प्राइवेट व सरकारी स्कूलों में चला बीएसईएस का अभियान

नई दिल्ली: 20 अगस्त, 2014। बीएसईएस ने साउथ, वेस्ट, ईस्ट और सेंट्रल दिल्ली के 200 प्राइवेट और सरकारी स्कूलों में विशेष अभियान चलाकर 35 हजार से अधिक बच्चों को ऊर्जा संरक्षण के गुर बताए। जिन 200 स्कूलों में ऊर्जा संरक्षण अभियान चलाया गया, उनमें दो नेत्रहीन स्कूल भी शामिल थे। आम तौर पर उपेक्षित रह जाने वाले नेत्रहीन बच्चों को भी इस अभियान में शामिल किया गया। ब्रेल लिपि में सामग्रियां जारी कर, उन्हें बिजली की खपत कम करने के बारे में जागरूक किया गया। नेत्रहीनों के स्कूल—जेपीएम सीनियर सेकेंड्री स्कूल फॉर ब्लाइंड और जनता आदर्श अंध विद्यालय में भी बिजली बचत के कार्यक्रम चलाए गए। नेत्रहीन बच्चों को ब्रेल लिपि के माध्यम से समझाने में काफी मदद मिली।

बीएसईएस ने बच्चों को बताया कि वे किस छोटे-छोटे और आसान उपायों पर अमल करके बिजली की खपत में 30 प्रतिशत तक की कमी ला सकते हैं। बीएसईएस के उर्जा संरक्षण मामले के विशेषज्ञों ने स्कूली बच्चों को बताया कि बिजली की खपत कम करने से न सिर्फ उनका बिजली बिल कम होगा और पैसों की बचत होगी, बल्कि इससे पर्यावरण भी बेहतर बनेगा। गौरतलब है कि एक यूनिट बिजली बनाने के लिए करीब 1 किलो कोयले को जलाना पड़ता है। अगर हम कुछ ही यूनिट बिजली की खपत कम कर पाएं, तो पर्यावरण को हो रहे नुकसान में कमी आएगी।

दिल्ली में बिजली की प्रति व्यक्ति खपत देश के बाकी हिस्सों के मुकाबले दुगुने से भी ज्यादा हो गई है। देश में प्रति व्यक्ति बिजली की औसत खपत जहां सालाना 700 यूनिट के आसपास है, वहीं यह खपत दिल्ली में प्रति व्यक्ति सालाना 1650 यूनिट हो गई है। और, एक यूनिट बिजली बनाने के लिए एक किलो कोयला जलाना पड़ता है। इससे जो वायु प्रदूषण बढ़ता है। साथ ही, ज्यादा बिजली खर्च करने से अधिक बिल भी देना पड़ता है। निम्नलिखित टिप्स पर अमल करके, आप न सिर्फ पर्यावरण को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि पैसों की बचत भी कर सकते हैं।

बीएसईएस ने अपने उर्जा संरक्षण अभियान में छात्रों के बिजली बचत करने और बिजली बिल में कमी लाने के लिए टिप्स दिए:

#### स्टार रेटेड उपकरण

- आईएसआई मार्क वाले, और ऊर्जा कुशल उपकरण (बीईई रैंकिंग युक्त) खरीदें ताकि बिजली की खपत कम हो सके। गौरतलब है कि आम बिजली उपकरणों के मुकाबले स्टार रेटेड उपकरण काफी कम बिजली की खपत करते हैं। जिस उपकरण पर जितने स्टार होंगे, वह उतना ही ज्यादा ऊर्जा कुशल यानी एनर्जी एफिशेंट होगा।

- अपने घरों की खिड़कियों पर सोलर फिल्म लगवाएं और छत को सफेद रंग से पेंट कर दें या उस पर सफेद टाइल्स लगवा दें। इससे आपके घर का तापमान कम रहेगा और बिजली की खपत में 30 प्रतिशत तक की कमी लाई जा सकती है। उल्लेखनीय यह भी है कि आपके कमरे को ठंडा करने के लिए आपके एसी को कम मेहनत करनी पड़ेगी। बिजली कम खर्च होगी, तो आपका बिल भी कम आएगा। सोलर फिल्म और छत को सफेद बनाने से आपके एसी के बिल में 20 प्रतिशत से भी अधिक की कमी आ सकती है।
- खिड़कियों पर सोलर फिल्म लगवाने से कि अल्ट्रा वायलेट किरणें भी आपके घर में नहीं आ पाएंगी। इससे आप बीमारियों से भी बचे रहेंगे। उल्लेखनीय है कि अल्ट्रा वायलेट किरणों से त्वचा का कैंसर भी हो सकता है।

### फ्रिज/ एसी

- घर की दीवारों को पौधों से ढककर भी बिजली की खपत को कम किया जा सकता है। एसी थर्मोस्टैट को 25 डिग्री सेल्सियस पर सेट करें, ताकि कम से कम कीमत पर बेतहर आराम मिले।
- एयर कंडीशंड वाले कमरे का दरवाजा बंद रखें। परिवार के लोग अलग-अलग न सोकर, एक ही कमरे में सोएं। 15 दिनों पर एसी फिल्टर की सफाई करें। जब उपयोग में न हो, तो एसी को स्विच ऑफ कर दें।
- सुनिश्चित करें कि आपका फ्रिज गर्मी वाले स्थान से दूर हो। उस पर सूर्य की सीधी रोशनी न पड़े। हवा के निर्बाध आवागमन के लिए रेफ्रिजरेटर के आसपास पर्याप्त जगह छोड़ें। यदि मैनुअल डिफ्रॉस्ट फ्रिज है, तो नियमित रूप से फ्रीजर कंपार्टमेंट को डिफ्रॉस्ट करते रहें। अपने रेफ्रिजरेटर के दरवाजे को लंबे समय तक खुला न छोड़ें। डोर गैस्केट की स्थिति को समय समय पर चेक करते रहें।

### लाइटिंग सिस्टम

- जब उपयोग में न हो, बत्ती बंद कर दें। जहां तक संभव हो, टास्क लाइटिंग का विकल्प चुनें। जहां रोशनी की जरूरत होगी, वहीं पर यह केंद्रित रहेगी। साधारण बल्बों की जगह ऊर्जा कुशल एलईडी लगवाएं, जो 80 प्रतिशत तक कम बिजली का उपयोग करती हैं। इसके अलावा, बल्ब, ट्यूब लाइट्स आदि को नियमित तौर पर साफ करते रहें, ताकि अधिक रोशनी मिले।

### माइक्रोवेव

- आम ओवन की जगह माइक्रोवेव ओवन लगवाकर, इस मद में बिजली की काफी बचत की जा सकती है। सलाह यह भी है कि आप चीजों को गर्म करके ओवन में डालें, ताकि ओवन कम बिजली की खपत करे। बड़े व मोटे आइटमों को बाहर की तरफ रखें क्योंकि माइक्रोवेव डिश को बाहर से बीच की तरफ पकाता है।

### कंप्यूटर

- जब उपयोग में न हो, तो कंप्यूटर को ऑफ कर दें। खपत हुई कुल बिजली का आधा से अधिक हिस्सा मॉनिटर उपयोग कर लेता है। यदि आपको कंप्यूटर ऑन भी रखना हो, तो भी मॉनिटर को तो ऑफ कर ही दें। स्क्रीन सेवर बिजली की कोई बचत नहीं करते। कंप्यूटर को स्टार्ट करने और

शट डाउन करने में बिजली का अतिरिक्त उपयोग नहीं होता और न ही इससे कंप्यूटर को कोई नुकसान पहुंचता है। इसलिए, उपयोग में न होने पर कंप्यूटर को शट डाउन करना जहां सिस्टम की सेहत के लिए अच्छा है, वहीं यह बिजली भी बचाता है।

### स्विच ऑफ करने की आदत डालें

- डीवीडी प्लेयर, टीवी, एसी और मोबाइल फोन चार्जर जैसे उपकरणों को स्टैंड बाय मोड पर न रखें क्योंकि आपका बिजली मीटर ऐसी स्थिति में भी बिजली की खपत को रेकॉर्ड करता है। एक सर्वे में यह बात सामने आई है कि रिमोट कंट्रोल से उपकरणों को स्विच ऑफ करने (स्टैंड बाय मोड में रखने) से दिल्ली में 175 मेगावॉट बिजली बरबाद हो जाती है।
-